6
छात्रा कक्ष
COMMON
ROOM GIRLS

8 मार्च 21

शासकीय महाविद्यालय, सिलफिली, जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

Government College, Silphili, Dist. Surajpur C.G.

Website-Govtcollegesilphili.ac.in E-mail-govt.collegesilhili@gmail.com

8 मार्च 2021

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में कोरोना के गाइडलाइन का पालन करते हुए **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई** के तत्वाधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्राध्यापक श्री बृजकिशोर त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृति की देवी माँ शारदा के छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम के संचालक सहायक प्राध्यापक अजय कुमार तिवारी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाए जाने के इतिहास की जानकारी देते हुए बताया कि इसकी शुरुआत श्रम आंदोलन से हुई। आधिकारिक तौर पर इसको मनाए जाने की शुरुआत 1975 ई. से तब हुई, जब संयुक्त राष्ट्र ने इसे मनाना शुरु किया। उन्होंने बताया कि देश की संसद तथा विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या मात्र 12 से 15 प्रतिशत है। समाज में महिला पुरुष सभी को जागरुक करने की जरुरत है। समाज का हर पुरुष किसी स्त्री की संतान है। यदि अपनी संतान को संस्कुत करने का जिम्मा उसके माता–पिता उठाएँ तो महिलाओं के प्रति अत्याचार की घटनाएँ नहीं होंगी। डॉ प्रेमलता ने समाज में स्त्रियों पर होने वाले अत्याचारों को रेखांकित किया। श्रीमती अंजना ने समाज में स्त्रियों को समान अधिकार दिलाने के लिए स्त्री शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कही। श्रीमती शालिनी शांता कुजूर ने महिलाओं के सामाजिक स्तर को उपर उठाने की वकालत की। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री बी के त्रिपाठी ने कहा कि स्त्री और पुरुष एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं बल्कि वे एक दूसरे के पूरक हैं। हमें भारत में यूरो–अमरीकी मॉडल को अपनाने से बचना चाहिए क्योंकि भारत का सांस्कृतिक परिवेश अलग है। उन्होंने समाज के उत्थान में परिवार की भूमिका को अहम बताया। स्त्री का परिवार से अलग होना परिवार और स्वयं स्त्री दोनों के लिए नुकसानदेह है।

कार्यक्रम के अगले चरण में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पूजा दास, निशा राजवाड़े, वैष्णवी गुप्ता, बबीता दास, वर्षा राजवाड़े, पूर्णिमा राजवाड़े, श्रेया ठाकुर, मोनिका वैद एवं तेजस्विनी राजवाड़े का प्रस्तुतीकरण सराहनीय रहा।

कार्यक्रम के अंत में रासेयो प्रभारी श्री अमित सिंह बनाफर ने कहा कि महिलाओं के लिए ग्रामीण तथा शहरी परिवेश में अभी भी अंतर है परंतु हम यदि सकारात्मक दृष्टिकोण को लेकर चलें तो हर परिस्थिति में अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। संक्षिप्त वक्तव्य के पश्चात् उन्होंने आभार प्रदर्शन किया। समारोह को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने में प्राध्यापक वर्ग से उपरोक्त के अतिरिक्त श्री भारत लाल कंवर, श्री आशीष कौशिक, वरिष्ठ लिपिक श्री बिरेंद्र सिन्हा श्री ताराचंद साहू के साथ–साथ श्री अशोक राजवाड़े, श्रीमती सुनीता गुप्ता, श्री दिनेश, श्री हेमंत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

B.K. Tripathi

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय, सिलफिली
जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय
सिलफिली, सूरजपुर (छ.ग.)

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला सूरजपुर (छ.ग.)

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2021

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आज दिनांक 8 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्राध्यापक श्री नव किशोर तिवारी जी ने की। इस अवसर पर श्री अमित सिंह बनाफर, श्री अजय कुमार तिवारी, श्री भरत लाल कँवर, श्री आशीष कौशिक, श्रीमती अंजना, डॉ. प्रेमलता एक्का, श्रीमती शालिनी शांता कुजूर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में पूजा दास, निशा राजवाड़े, वैष्णवी गुप्ता, बबीता दास, वर्षा राजवाड़े, पूर्णिमा राजवाड़े, श्रेया ठाकुर, मोनिका वैद्य एवं तेजस्विनी राजवाड़े ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में अमित सिंह बनाफर ने महिलाओं के लिए ग्रामीण एवं शहरी परिवेश में अंतर बताया और सकारात्मक दृष्टिकोण लेकर चलने के विषय में कहा। अंत में आभार प्रदर्शन किया और कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

8/3/21

(आशीष कौशिक)

(अजय कुमार तिवारी)

Principal

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

CamScanner

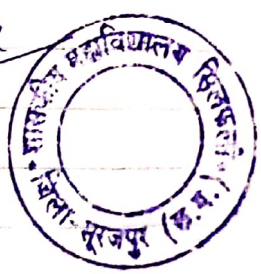

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उपस्थिति प्रतिभागी

	नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1	श्रेया ठाकुर	B.Sc 1st	Shreya
2	निशा नागवंशी	B.Com 1st	Nisha
3	पूजा दास	B.Com 1st	Pooja
4	विमलावती राजवाड़े	B.Sc. 1st year	Vimlawati Rajwade
5	तेजस्विनी राजवाड़े	B.Sc 1st year	Tejaswini Raj
6	खुशी मिस्त्री	B.A. 1st year	Khushi
7	किरन पण्डो	B.A. 1st year	Kiran Pando
8	सबिता	B.A 1st year	Sabita
9	प्रिया मिंझी	B.A 1st year	Priya Minjha
10	प्रियंका देवांगन	B.A 2nd	Priyanka
11	Mohan Malakar	B.Sc. IInd year	[illegible]
12	Anurag Singh	B.Com Ist year	Singh
13	Rohit Samaddar	B.Com Ist year	Rohit
14	मनीष मण्डल	B.Com 1st year	Manish
15	श्रेया यादव	B.S.C. IInd year	Shreya
16	Namita pradhan	B.S.C IInd year	Namita
17	Neelu kushwaha	B.S.C. II year	Neelu
18	नीतू कुमारी	B.S.C I year	नीतू कुमारी
19	गोविन्दा राजवाड़े	B.S.C I year	गोविन्दा राजवाड़े
20	सुदर्शन	B.S.C. Ist	सुदर्शन
21	[illegible]	B.S.C. Ist year	[illegible]
22	आदित्य प्रताप सिंह	B.S.C Ist year	[illegible]
23	Monika Vaidya	B.A III year	Monika
24	Kalpana Baidya	B.S.C III year	Kalpana
25	Anisha Bahadur	B.Sc III year	Anisha
26	Purnima Rajwade	B.Sc III year	Purnima
27	Kamla Kujur	B.Com III year	Kamla
28	अनिता विश्वास	B.Com III	अनिता

CamScanner

४९	निरमेल	B... II	
५०	[illegible] सुहाना	B.Sc 2nd year	Ahmaria
५१	लाभो		(Vijeta)
५२	प्रभाती	B.A 1st year	Vaisha
५३	सोनू सोनवानी	B.A 1st year	Jaishri
५४	सुनीता	B.A 1st year	Veena Rajwade
५५	रिम्पी	B.A 1st year	Seta
५६	सविता	BSc 1st year	Rimpee
५७	देवकुमार राम	BSc 1st year	[illegible]
५८	पवन विश्वकर्मा	BSc II nd year	[illegible]
५९	विवेक खलखो	B.Sc - 2nd year	Pawan
६०	सोनरसाय	B. Com 1st year	[illegible]
६१	[illegible]	B. Com 1st year	सोनरसाय
		B. com 1st year	[illegible]

* प्राध्यापक गण :—

[Signature]

Principal
Govt.-College Silphili
Distt.-Surajpur (C.G.)

[Stamp: शासकीय महाविद्यालय सिलफिली, जिला - सूरजपुर (छ.ग.)]

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में कोरोना के गाइडलाइन का पालन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में विभिन्न कार्यकमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्राध्यापक बृजकिशोर त्रिपाठी ने की। कार्यकम के संचालक सहायक प्राध्यापक अजय कुमार तिवारी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाए जाने के इतिहास की जानकारी देते हुए बताया कि इसकी शुरूआत श्रम आंदोलन से हुई। आधिकारिक तौर पर इसको मनाए जाने की शुरूआत १९७५ ई. से तब हुई, जब संयुक्त राष्ट्र ने इसे मनाना शुरू किया। उन्होंने बताया कि देश की संसद तथा विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या मात्र १२ से १५ प्रतिशत है। समाज में महिला पुरुष सभी को जागरुक करने की जरुरत है। समाज का हर पुरुष किसी स्त्री की संतान है। यदि अपनी संतान को संस्कृत करने का जिम्मा उसके माता-पिता उठाएँ तो महिलाओं के प्रति अत्याचार की घटनाएँ नहीं होंगी। डॉ प्रेमलता ने समाज में

स्त्रियों पर होने वाले अत्याचारों को रेखांकित किया। श्रीमती अंजना ने समाज में स्त्रियों को समान अधिकार दिलाने के लिए स्त्री शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कही। श्रीमती शालिनी शांता कुजूर ने महिलाओं के सामाजिक स्तर को उपर उठाने की वकालत की कार्यक्रम के अध्यक्ष बी के त्रिपाठी ने कहा कि स्त्री और पुरुष एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं बल्कि वे एक दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने समाज के उत्थान में परिवार की भूमिका को अहम बताया।

कार्यक्रम के अगले चरण में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पूजा दास, निशा राजवाड़े, वैष्णवी गुप्ता, बबीता दास, वर्षा राजवाड़े, पूर्णिमा राजवाड़े, श्रेया ठाकुर, मोनिका वैद एवं तेजस्विनी राजवाड़े का प्रस्तुतीकरण सराहनीय रहा।

कार्यक्रम के अंत में रासेयो प्रभारी अमित सिंह बनाफर ने कहा कि महिलाओं के लिए ग्रामीण तथा शहरी परिवेश में अभी भी अंतर है परंतु हम यदि सकारात्मक दृष्टिकोण को लेकर चलें तो हर परिस्थिति में अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। संक्षिप्त वक्तव्य के पश्चात उन्होंने आभार प्रदर्शन क्रिया। समारोह को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने में प्राध्यापक वर्ग से उपरोक्त के अतिरिक्त भारत लाल कंवर, आशीष कौशिक, वरिष्ठ लिपिक बिरेंद्र सिन्हा ताराचंद साहू के साथ-साथ अशोक राजवाड़े, श्रीमती सुनीता गुप्ता, दिनेश, हेमंत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई । इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे ।